ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट
"માનવસેવા એ જ ઈશ્વરસેવા"
ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट

वर्ष-9 अंक : 106

सहयोग शुल्क : रु. 1 / दिसम्बर : 2025

दिव्यांग सेतु

संपादक :- संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

विश्व विकलांगता दिवस दिव्यांगों की गरिमा, उनके अधिकारों और कल्याण के लिए समर्थन जुटाने का एक अंतर्राष्ट्रीय उत्सव है ।

– संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

विश्व विकलांगता दिवस दिव्यांगों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने का अवसर है ।

– माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेबल, पाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटीसे असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदन-पत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाण-पत्र/दस्तावेज

सिविल सर्फर का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाण-पत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाण-पत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

संपादकीय

विश्व विकलांगता दिवस 2025 की थीम है "सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना"। एक अधिक न्यायसंगत और समावेशी समाज बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए, जो दिव्यांगजनों के अधिकारों का सम्मान करे। हम प्रति वर्ष 3 दिसंबर को विश्व विकलांगता दिवस मनाते हैं, पूरे विश्व में इस से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होता है, यह केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है बल्कि पूरा विश्व दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील बने इस दिशा में कार्य करने का एक प्रतीक है। विश्व विकलांगता दिन का उद्देश्य विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों और कल्याण के बारे में जागरूकता बढ़ाना, उनकी उपलब्धियों को मनाना और समाज में उनकी समावेशिता को बढ़ावा देना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1992 में इसे अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस के रूप में घोषित किया गया था और प्रति वर्ष इसे मनाया जा रहा है।

विश्व में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदना और समानता के स्तर में काफी सुधार हुआ है। आज दिव्यांगों के प्रति दया की द्रष्टी से नहीं बल्कि सम्मान और समानता की द्रष्टी से देखा जाता है यह लोगों की सोच में आए बडे परिवर्तन का द्योतक है। दिव्यांगजनों ने भी आज अपनी क्षमताओं को पूरी दुनिया के समक्ष प्रस्तुत किया है। अगर समान अवसर और सम्मान मिले तो दिव्यांग भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकते हैं। ३ दिसंबर विकलांग व्यक्तियों की गरिमा, उनके अधिकारों और कल्याण के लिए समर्थन जुटाने का एक अंतर्राष्ट्रीय उत्सव है। हम सभी को दिव्यांगजनों के लिए आयोजित इस दिन विकलांग लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, समावेशिता को बढ़ावा देना और उनके अधिकारों और अवसरों के लिए समर्थन जुटाना चाहिए।

विश्व विकलांगता दिवस के अवसर पर हम सभी दिव्यांगजनों को शुभकामनाएँ देते हैं।

दिव्यांग सेतु
मासिक पत्रिका

दिसम्बर : 2025, पृष्ठ संख्या : 16
वर्ष-9 अंक : 106

✦ प्रेरणास्त्रोत और संपादक ✦
मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८
प. पू. संतश्री सद्‌गुरु ॐऋषि स्वामी।

✦ सह-संपादक ✦
मिहिरभाई शाह
मो. 97241 81999

✦ संपर्क-सूत्र ✦
सेवा समर्पण फाउण्डेशन
ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट (NGO)
Trust Reg. No. : E/20646/Ahmedabad
०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,
अन्नपूर्णा पार्टी प्लाट के सामने,
नया विकासगृह रोड, पालडी,
अहमदाबाद - ३८०००९
(मो.) 99749 55365, 9974955125

✦ मुद्रक ✦
प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.
आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6
Phone : 079 26405200

विश्व विकलांगता दिवस हर साल 3 दिसंबर को मनाया जाता है । इस दिन का उद्देश्य विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों और कल्याण के बारे में जागरूकता बढ़ाना, उनकी उपलब्धियों को मनाना और समाज में उनकी समावेशिता को बढ़ावा देना है । संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1992 में इसे अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस के रूप में घोषित किया गया था ।

- **उद्देश्य:** विकलांग लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, समावेशिता को बढ़ावा देना और उनके अधिकारों और अवसरों के लिए समर्थन जुटाना ।
- **इतिहास:** संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 में 3 दिसंबर को इस दिवस की घोषणा की गई थी ।
- **मनाए जाने का कारण:** यह दिन विकलांग व्यक्तियों की गरिमा, उनके अधिकारों और कल्याण के लिए समर्थन जुटाने का एक अंतर्राष्ट्रीय उत्सव है ।
- **अन्य नाम:** इसे अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस (International Day of Persons with Disabilities - IDPwD) के नाम से भी जाना जाता है ।
- अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस (आईडीपीडी) एक संयुक्त राष्ट्र दिवस है जो हर साल 3 दिसंबर को मनाया जाता है । यह दिवस समाज और विकास के हर स्तर पर विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देने और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के सभी पहलुओं में विकलांग व्यक्तियों की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है । विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर हर साल यह दिवस मनाता है, जिससे विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा के महत्व पर ज़ोर दिया जाता है, ताकि वे समाज में दूसरों के साथ पूरी तरह, समान रूप से और प्रभावी रूप से भाग ले सकें और अपने जीवन के सभी पहलुओं में किसी भी बाधा का सामना न करें ।

जिनेवा स्थित अपने मुख्यालय में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) जनता को शिक्षित करने, जागरूकता बढ़ाने, राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसाधनों की वकालत करने और विश्व स्वास्थ्य संगठन की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक वार्षिक IDPD कार्यक्रम आयोजित करता है । 2022 में, WHO ने विकलांग व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य

समानता पर वैश्विक रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट उन दृष्टिकोणों और कार्यों को प्रस्तुत करती है जो देश विकलांग व्यक्तियों द्वारा अनुभव की जाने वाली स्वास्थ्य असमानताओं को दूर करने के लिए अपना सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस (3 दिसंबर) 1992 से संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रचारित एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है। इसे दुनिया भर में अलग-अलग स्तर की सफलता के साथ मनाया गया है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विकलांगता से जुड़े मुद्दों की समझ को बढ़ावा देना और विकलांग व्यक्तियों के सम्मान, अधिकारों और कल्याण के लिए समर्थन जुटाना है। इसका उद्देश्यराजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के हर पहलू में विकलांग व्यक्तियों के एकीकरण से होने वाले लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी है। 2007 तक इसे मूल रूप से " अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस " कहा जाता था। हर साल यह दिवस एक अलग मुद्दे पर केंद्रित होता है।

इतिहास

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग वर्ष 1981

1976 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1981 को विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया। इसने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्ययोजना बनाने का आह्वान किया, जिसमें अवसरों की समानता, पुनर्वास और विकलांगता की रोकथाम पर ज़ोर दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग वर्ष का विषय "पूर्ण भागीदारी और समानता" था, जिसे विकलांग व्यक्तियों के अपने समाज के जीवन और विकास में पूर्ण रूप से भाग लेने, अन्य नागरिकों के समान जीवन स्थितियों का आनंद लेने और सामाजिक-आर्थिक विकास के परिणामस्वरूप बेहतर स्थितियों में समान हिस्सेदारी के अधिकार के रूप में परिभाषित किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र विकलांग व्यक्ति दशक 1983-1992

एक समय सीमा प्रदान करने के लिए जिसके दौरान सरकारें और संगठन विश्व कार्य कार्यक्रम में अनुशंसित गतिविधियों को लागू कर सकें, महासभा ने 1983-1992 को विकलांग व्यक्तियों का संयुक्त राष्ट्र दशक घोषित किया।

झंडा

2017 में आज ही के दिन स्वर्ण -रजत-कांस्य ध्वज को सभी विकलांग लोगों के प्रतीक के रूप में घोषित किया गया था।

3 दिसंबर, 2017 को विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के दौरान, लैटिन अमेरिकी देशों के सांसद पेरू में एक पूर्ण सभा में एकत्र हुए। जयजयकार के साथ, उन्होंने स्वर्ण-रजत-कांस्य ध्वज को सभी विकलांग लोगों का प्रतीक घोषित किया। उसी दिन, ध्वज को संयुक्त राष्ट्र के यूरोपीय मुख्यालय को सौंप दिया गया। कई स्पेनिश शहर और नगर पालिकाएं विकलांग लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर

ध्वज प्रदर्शित करती हैं । 2018 में, ध्वज को ला पाल्मा के कैनरी द्वीप पर सांता क्रूज़ डी ला पाल्मा शहर में दिखाया गया था । 3 दिसंबर 2018 को, ध्वज को स्पेन में एक ओलंपिक और पैरालंपिक खेल संगठन "फोमेंट डी'एस्पोर्टिस्टेस एम्ब रेप्टेस" (एफईआर) द्वारा अपनाया गया था ।

विश्व विकलांगता दिवस के पिछले वर्षों के विषय

- **1998:** "कला, संस्कृति और स्वतंत्र जीवन"
- **1999:** "नई सहस्राब्दी के लिए सभी के लिए सुलभता"
- **2000:** "सूचना प्रौद्योगिकी को सभी के लिए उपयोगी बनाना"
- **2001:** "पूर्ण भागीदारी और समानता: प्रगति का आकलन करने और परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए नए दृष्टिकोणों का आह्वान"
- **2002:** "स्वतंत्र जीवन और सतत आजीविका"
- **2003:** "हमारी अपनी आवाज़"
- **2004:** " हमारे बिना हमारे बारे में कुछ भी नहीं "
- **2005:** "विकलांग व्यक्तियों के अधिकार: विकास में कार्रवाई"
- **2006:** " ई-एक्सेसिबिलिटी "
- **2007:** " विकलांग व्यक्तियों के लिए सभ्य कार्य "
- **2008:** "विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन: हम सभी के लिए सम्मान और न्याय"
- **2009:** " एमडीजी को समावेशी बनाना: दुनिया भर में विकलांग व्यक्तियों और उनके समुदायों का सशक्तिकरण "
- **2010:** "वादा निभाना: 2015 और उसके बाद सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों में विकलांगता को मुख्यधारा में लाना"
- **2011:** "सभी के लिए एक बेहतर दुनिया के लिए एक साथ: विकास में विकलांग व्यक्तियों को शामिल करना"
- **2012:** " सभी के लिए एक समावेशी और सुलभ समाज बनाने के लिए बाधाओं को दूर करना"
- **2013:** "बाधाएं तोड़ें, दरवाजे खोलें: एक समावेशी समाज और सभी के विकास के लिए"
- **2014:** " सतत विकास : प्रौद्योगिकी का वादा "
- **2015:** " समावेश मायने रखता है: सभी क्षमताओं वाले लोगों के लिए पहुँच और सशक्तिकरण"
- **2016:** " हमारे इच्छित भविष्य के लिए 17 लक्ष्य प्राप्त करना"
- **2017:** " सभी के लिए टिकाऊ और लचीले समाज की ओर परिवर्तन "
- **2018:** " विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाना तथा समावेशिता और समानता सुनिश्चित करना"
- **2019:** "विकलांग व्यक्तियों की भागीदारी और उनके नेतृत्व को बढ़ावा देना: 2030 विकास एजेंडा पर कार्रवाई करना "
- **2020:** "बेहतर पुनर्निर्माण: कोविड-19 के बाद एक विकलांगता-समावेशी, सुलभ और टिकाऊ

दुनिया की ओर"

- **2021:** " एक समावेशी, सुलभ और टिकाऊ कोविड-19 के बाद की दुनिया की ओर विकलांग व्यक्तियों का नेतृत्व और भागीदारी"
- **2022:** "समावेशी विकास के लिए परिवर्तनकारी समाधान: एक सुलभ और न्यायसंगत दुनिया को बढ़ावा देने में नवाचार की भूमिका "
- **2023:** "विकलांग व्यक्तियों के लिए, उनके साथ और उनके द्वारा सतत विकास लक्ष्यों को बचाने और संग्रहित करने के लिए एकजुट कार्रवाई"
- **2024:** "समावेशी और टिकाऊ भविष्य के लिए विकलांग व्यक्तियों के नेतृत्व को बढ़ावा देना"
- **2025**: "सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए दिव्यांगजन समावेशी समाजों को बढ़ावा देना।"

2012 के अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस पर, यूनाइटेड किंगडम सरकार ने कल्याणकारी लाभ प्राप्त करने वाले विकलांग लोगों के लिए अनिवार्य कार्य की शुरुआत की ताकि "अनिवार्य रोजगार द्वारा विकलांग लोगों के काम पाने की संभावनाओं में सुधार" किया जा सके । सुसान आर्चीबाल्ड सेंटर की संस्थापक ने कहा कि विकलांग लोगों का अनिवार्य रोजगार विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन के अनुच्छेद 27/2 का उल्लंघन है । द गार्जियन ने उल्लेख किया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा नियुक्त इस दिन से विकलांग लोगों और कैंसर से लेकर लकवा और मानसिक स्वास्थ्य तक की बीमारियों से ग्रस्त लोगों को यूके सरकार द्वारा मुफ्त में काम करने के लिए मजबूर किया जा सकता है अन्यथा उन्हें अपने कल्याणकारी लाभों का 70% तक छीन लिए जाने का जोखिम है । 3 दिसंबर को भारत में भी देश के "भिन्न रूप से सक्षम" समुदाय की सेवा के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गयाथा ,

संयुक्त राष्ट्र आईडीपीडब्ल्यूडी 2025 थीम

विश्व विकलांगता दिवस 2025 का विषय है - सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए दिव्यांगजन समावेशी समाजों को बढ़ावा देना।

इस विषय का अर्थ है कि हम सभी को समाज को अधिक न्यायसंगत बनाने तथा विकलांग लोगों के अधिकारों का सम्मान करने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

ऑस्ट्रेलिया सहित संयुक्त राष्ट्र के सभी देश दोहा राजनीतिक घोषणापत्र पर सहमत हो गए हैं । यह सभी के जीवन को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करने का वादा है।

ऐसा करने के लिए हमें निम्नलिखित कार्य करने होंगे:

- उन बाधाओं को दूर करें जो विकलांग लोगों को इसमें शामिल होने से रोकती हैं।
- यह सुनिश्चित करें कि विकलांग लोगों को भी अन्य लोगों के समान अवसर मिलें।
- स्वास्थ्य देखभाल और अच्छी शिक्षा हो जिसका उपयोग हर कोई कर सके।

- जीवन के सभी पहलुओं में विकलांग लोगों को शामिल करें।

हमें विकलांग लोगों की समस्याओं को भी समझना होगा। इसमें गरीब होना, नौकरी न मिल पाना और अन्यायपूर्ण व्यवहार शामिल है।

विश्व विकलांगता दिवस 2025 की थीम है "सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना"। इसका अर्थ है कि एक अधिक न्यायसंगत और समावेशी समाज बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए, जो दिव्यांगजनों के अधिकारों का सम्मान करे।

- **थीम:** "सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना"।
- **लक्ष्य:** एक ऐसा समाज बनाना जहाँ दिव्यांगजन की भागीदारी और अधिकारों को सुनिश्चित किया जा सके।
- **उद्देश्य:** समाज में दिव्यांग व्यक्तियों की भागीदारी और अधिकारों के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता को बढ़ाना।

कार्यस्थल पर अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस कैसे मनाया जा सकता है?

कार्यस्थल पर आईडीपीडब्ल्यूडी का जश्न मनाने के कई तरीके हैं। 2025 में जश्न मनाने के सर्वोत्तम तरीकों का डायवर्सिटी एंड इंक्लूज़न स्पीकर्स एजेंसी का विशेष चयन देखें:

1.) एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित करें

अपने कार्यस्थल में सार्थक बदलाव लाने का सबसे अच्छा तरीका एक विकलांगता प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना है। विकलांगता से कोई भी प्रभावित हो सकता है, इसलिए यह सुनिश्चित करना ज़रूरी है कि सभी कर्मचारी समावेशी संस्कृति विकसित करने के लिए सुलभता के महत्व को समझें।

विकलांगता जागरूकता प्रशिक्षण के 5 लाभ:

1. ग्राहक सेवा में सुधार करें : जो कर्मचारी विभिन्न स्थितियों को पहचानते हैं, वे आपके ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करेंगे, जिनमें ऐसी विकार हो सकते हैं।
2. कानूनी आवश्यकताओं को जानें : समानता अधिनियम 2010 के बारे में जानकर कानूनी निहितार्थ या अनुचित व्यवहार के जोखिम को कम करें ।
3. खुले संचार को प्रोत्साहित करें : विकलांग लोग हर दिन अपनी स्थितियों के साथ रहते हैं, इसलिए प्रशिक्षण खुले संचार के माध्यम से कल्याण सहायता प्रदान कर सकता है।
4. धारणाओं में परिवर्तन करें : एक सूचनात्मक प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से अचेतन पूर्वाग्रह और गलत सूचना को कम करें, जो आपके सक्षम कर्मचारियों को सूचित करता है।
5. विकलांग कर्मचारियों को मान्य बनाना : एक प्रशिक्षण सत्र विकलांग कर्मचारियों को दिखाता है कि उनकी भावनाएं, अनुभव और संघर्ष वैध हैं।

2.) न्यूरोडाइवर्सिटी को पहचानें

सबसे आम अदृश्य विकलांगताओं में से एक, न्यूरोडाइवर्सिटी को अपने कार्यस्थल पर पहचानना बेहद ज़रूरी है। ये लोग दुनिया को अनोखे नज़रिए से देखते हैं, क्योंकि उनके दिमाग की संरचना उनके सक्षम समकक्षों से अलग होती है। न्यूरोडाइवर्सिटी के वक्ता नियमित रूप से कॉर्पोरेट कार्यक्रमों में न्यूरोडाइवर्सिटी की खूबियों को बढ़ावा देने और इस कलंक को दूर करने के लिए आते हैं।

3.) न्यूरोडायवर्सिटी क्या है?

न्यूरोडाइवर्सिटी के उदाहरणों में शामिल हैं:

- डीएचडी
- आत्मकेंद्रित
- दुष्क्रिया
- स्लेक्सिया
- डिसग्राफिया
- टॉरेट सिंड्रोम

न्यूरोडाइवर्सिटी मानव मस्तिष्क की प्राकृतिक विविधताओं को परिभाषित करती है जो उनकी संज्ञानात्मक और बौद्धिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करती हैं।

4.) पहुंच और समावेशन में सुधार

कार्यस्थल पर, कई सामान्य बाधाएँ विकलांग कर्मचारियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने से रोक सकती हैं। व्हीलचेयर रैंप से लेकर स्क्रीन रीडर और ब्रेल साइनेज से लेकर सुलभ शौचालय तक, सभी क्षमताओं वाले कर्मचारियों की ज़रूरतों को पूरा करना और यह विचार करना ज़रूरी है कि आपका कार्यस्थल किसी विकलांग व्यक्ति पर कैसा प्रभाव डाल सकता है। इस अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस पर, अपनी टीम के सभी सदस्यों के लिए एक सुलभ वातावरण बनाएँ।

कार्यस्थल में सुगम्यता के उदाहरण

- व्हीलचेयर रैंप/लिफ्ट
- शोर संवेदनशीलता के लिए शांत कमरे
- ब्रेल साइनेज
- अनुकूली डेस्क और कुर्सियाँ
- डिजिटल एक्सेसिबिलिटी टूल्स में निवेश करें

5.) प्रतिज्ञा करें

दुनिया की असमानताओं को एक दिन में दूर करना नामुमकिन है, इसलिए इस विश्व विकलांगता दिवस पर विविधता का जश्न मनाने, सुलभता को महत्व देने और अपने विकलांग कर्मचारियों की सेवा करने का सार्थक संकल्प लें। आगे बढ़ते हुए, विशेषज्ञों से सीखें और अपने कार्यस्थल में ऐसे वास्तविक बदलाव लागू करें जिनसे आपके विकलांग कर्मचारियों को लाभ हो।

5 सार्थक प्रतिज्ञाएँ जो आप कर सकते हैं

1. विकलांगता चैरिटी को दान करें
2. अपनी भेदभाव दूर करनेवाली नीतियों को मजबूत करें
3. सुगम्यता में सुधार, जैसे व्हीलचेयर रैंप
4. अपने कर्मचारियों की विविधता का आकलन करें
5. समर्थन का सार्वजनिक बयान दें

★★★

ॐकार फाउन्डेशन द्वारा हेलोवीन डे सेलिब्रेशन किया गया ।

१२ नवम्बर २०२५ के दिन पालडी के अन्नपूर्णा होल में ओमकार फाउन्डेशन द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए हेलोवीन डे सेलिब्रेशन और मेजिक शो का आयोजन किया गया था । इस कार्यक्रम में १०० से अधिक मनोदिव्यांग छात्रों मे हिस्सा लिया था । दीप प्राकट्य से कार्यक्रम का आरंभ किया गया था । कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों के लिए नास्ते की सुविधा की गई थी ।

Magic Show
Date : 12/11/2025, Wednesday

Magic Show

Magic Show

Magic Show

Magic Show

मनोदिव्यांगजनों का दिवाली सेलिब्रेशन

नवजीवन चेरीटेबल ट्रस्ट संचालित ड़.हरिकृष्ण डाह्याभाई स्वामी स्कूल फोर इन्टेलेक्ट्युअल डिसेबल्ड के मनोदिव्यांग छात्रों के लिए सोला रोड स्थित बहुचराजी मंदिर में दिवाली सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया था । इस आयोजन में अतिथि विशेष के रुप में उपस्थित स्टेन्डिंग कमिटी के चेरमेन श्री देवांगभाई दाणी ने मनोदिव्यांग छात्रों के साथ पटाखे जलाने का आनंद उठाया था । उनके हाथों वोकेशनल प्रोडक्ट बना रहे बच्चों को बोनस और बिक्री सहायक के कमिशन के कवरों को बांटा गया था । उन्होंने सभी मनोदिव्यांग छात्रों को दिपावली पर्व की शुभकामनाएँ प्रदान की थी । इस कार्यक्रम में दिपावली पर्व के उपलक्ष्य में संस्था के सभी छात्रों, स्टाफ, रीक्षाचालक औक ट्रस्टीओं को दिपावली की गिफ्ट दी गई थी ।

इन्डोनेशिया में आयोजित पाँचवे हार्मनि इन्टरनेशनल कल्चर फेस्टिवल में मनोदिवियांगजनों ने भारत के विभिन्न नृत्यों की प्रस्तुति की ।

इन्डोनेशिया में आयोजित चौथे हार्मनि इन्टरनेशनल कल्चर फेस्टिवल में मनोदिवियांगजनों ने भारत के विभिन्न नृत्यों की प्रस्तुति की । इस टुर में २३ ओक्टोबर से २६ ओक्टोबर तक इन्डोनेशिया के जाकार्ता में आयोजित डान्स फेस्टिवल में रंगसागर पर्फोर्मिंग आर्ट्स नरेश पटेल की अगुवाई में ३१ कलाकारों की भारतीय टीम ने भारतीय संस्कृति के विभिन्न डान्स पर्फोर्मिंग के रूपों को प्रस्तुत किया था । इस वैश्विक कार्यक्रम में भारत के उपरांत पोलेन्ड, श्रीलंका, तुर्की, रशिया, फिलिपाइन्स, मलेशिया, इन्डोनेशिया, मैकेसिको, अमेरिका, बांग्लोदेश के सहित १३ देशों के विभिन्न कलाकारों ने अपनी संस्कृति की प्रस्तुति की थी । भारत की ओर से १४ विशेष छात्र प्रतियोगिता में प्रतिभागी हो रहे थे । हमारे लिए यह गौरव की बात है कि रंगसागर द्वारा हर वर्ष मनोदिव्यांगों की टीम को विदेशों में भारत के प्रतिनिधि के रूप में यह पाँचवी बार भेजा गया है । इस टीम में अहमदाबाद की नवजीवन स्कूल फोर इन्टलेक्च्युअल डिसेबल्ड के ११ मनोदिव्यांग छात्रों के साथ-साथ खेडा के दो और भावनगर से एक मनोदिव्यांग छात्र भी इस टीम का हिस्सा थे । टीम के साथ कोरियोग्राफर और मेनेजर के रूप में तपन व्यास, और टीम लीडर के रूप में नवजीवन के संचालक निलेश पंचाल भी इस टीम में सम्मिलित थे । इस फेस्टिवल में दो पर्फोर्मन्स को दो बार प्रस्तुत किया गया था । मनोदिव्यांग छात्रों ने गणेश वंदना तथा उनके अभिभावकों ने रणछोड रंगीला पर गरबा प्रस्तुत किया था । इस टीम ने वहाँ आयोजित परेड में भारत देश का प्रतिनिधित्व किया था ।

मनोदिव्यांग छात्रों के लिए चिल्ड्रन डे आयोजित किया गया ।

मनोदिव्यांग बच्चों के लिए सदैव कार्यरत संस्था स्मित चाइल्ड एज्युकेशन ट्रस्ट के मनोदिव्यांग बच्चों के लिए १४ नवम्बर चिल्ड्रन डे के उपलक्ष्य में चिल्ड्रन डे का आयोजन किया गया था । इस कार्यक्रम में पूरे दिन बच्चों के साथ विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया था । वहाँ उपस्थित सभी मनोदिव्यांग बच्चों को एज्युकेशन कीट और पानी की बोतल गिफ्ट की गई थी । बच्चों के लिए सुंदर लंच का आयोजन किया गया था ।

मनोदिव्यांग छात्रों के लिए प्रवास का आयोजन किया गया ।

स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट, जो लगातार मेंटली चैलेंज्ड बच्चों के लिए काम कर रहा है, अहमदाबाद के अख़बार नगर से मेंटली चैलेंज्ड बच्चों को उनके गार्जियन के साथ गोकुल, मथुरा, वृदावन, खातुनशाम, रणुजा, आगरा, जैसलमेर ले गया।

दिव्यांगजन व्हीलचेर पर, घोडीना टेके डीजेना ताले डान्स किया ।

शहर के जैन श्रेष्ठी मेहुल झवेरी की पत्नी ममताबेन का 60वां जन्मदिन शनिवार को मणिपुर गांव में खास तरीके से मनाया गया। दिव्यांग ग्रुप थिंक पॉजिटिव के जरिए दिव्यांगों को इस उत्सव में बुलाया गया था और अहमदाबाद, मनसा, काठवाड़ा से 370 से ज्यादा दिव्यांग पहुंचे। कुछ ने डीजे की धुन पर, कुछ ने व्हीलचेयर पर तो कुछ ने काखघोरी के सहारे जोश के साथ डांस किया।

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट

संचालित (N.G.O.)

ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर

मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए नि:शुल्क तालीम संस्था

▲ World Autisum Day ▲Table Tennis Competition ▲ Painting Competition ▲Sports Day Celebration
▲Rakshabandhan Celebration ▲ 15th August Celebration ▲Janmashtami Celebration
▲ Anand Niketan School Visit ▲ Picnic ▲ Traffic Awareness Program Navratri Celebration

★★★ शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करें ★★★

सुमेल ५, हाउस नं.: ४८/डी, बिजनेस पार्क, चामुंडा ब्रीज कोर्नर,
असारवा, अहमदाबाद-३८००१६ मो.: 99749 55125, 99749 55365

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर